वित्तीय सेवा संस्थान बोर्ड (FSIB)

संदर्भ : FSIB ने जी.आई.सी री, एन.आई.सी के लिए नए प्रमुखों का चयन किया।

- जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (GIC Re) के महाप्रबंधक एन रामास्वामी को कंपनी के अगले अध्यक्ष और प्रबंधक निदेशक के रूप में चुना गया है, जबकि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के महाप्रबंधक और निदेशक एम राजेश्वरी सिंह को राष्ट्रीय बीमा कंपनी (NIC) का CMD चुना गया है।
- सरकार ने वैश्विक कंपनी चलाने में पुनर्बीमा विशेषज्ञता की आवश्यकता के कारण संस्थान का नेतृत्व करने के लिए GIC Re से एक अंदरूनी सूत्र को चुना है।
- वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (FSIB) PSU बैंकों और बीमाकर्ताओं के प्रमुखों के चयन के लिए जिम्मेदार है और इसका गठन बीमा विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के पैनल के रूप में किया गया है।

क्या है FSIB?

- यह 2022 में केंद्र सरकार द्वारा वित्त मंत्रालय के **वित्तीय सेवा विभाग** के तहत स्थापित एक सरकारी निकाय है।
- यह **एक वैधानिक या संवैधानिक निकाय नहीं है**।
- ब्यूरो के सचिवालय में वर्तमान में सचिव और चार अधिकारी शामिल हैं।
- इसने **बैंक बोर्ड ब्यूरो (BBB) का स्थान लिया।**
- इसका उद्देश्य जनशक्ति क्षमताओं की पहचान करना और सरकार के स्वामित्व वाले वित्तीय संस्थानों में वरिष्ठ पदों के लिए प्रतिभा का उचित चयन सुनिश्चित करना है।
- बोर्ड को **राज्य द्वारा संचालित वित्तीय सेवाओं/सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन के निदेशकों और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष की पूर्णकालिक नियुक्ति** और संस्थान में कार्मिक प्रबंधन से संबंधित अन्य मामलों पर सिफारिशें करने का काम सौंपा गया है।
- इसमें सरकार के अन्य नियामक निकायों के पदेन सदस्य और संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं।

FSIB के कार्य:

- उक्त निदेशकों की नियुक्ति, स्थानांतरण या कार्यकाल के विस्तार और सेवाओं की समाप्ति से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देना।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, सार्वजनिक वित्तीय संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ताओं के लिए बोर्ड स्तर पर वांछित प्रबंधन संरचना पर सरकार को सलाह देना।
- निदेशकों के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली और आचार संहिता और नैतिकता के लिए सरकार को सलाह देना।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, वित्तीय संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता कंपनियों में प्रबंधन के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम सुनिश्चित करना।
- व्यापार रणनीति विकसित करने और पूंजी योजना बढ़ाने के लिए संस्थान की सहायता करना।

2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला आया कि बैंक बोर्ड ब्यूरो राज्य के स्वामित्व वाली सामान्य बीमा कंपनियों के महाप्रबंधकों और निदेशकों का चयन करने के लिए एक सक्षम निकाय नहीं है, राष्ट्रीयकृत बैंकों (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1980 में संशोधन की आवश्यकता है। इससे FSIB का निर्माण हुआ।

बैंक बोर्ड ब्यूरो क्या था?

- बैंक बोर्ड ब्यूरो (BBB) भारत सरकार की एक **स्वायत्त संस्था थी जो PSB, सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के बोर्ड के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को खोजने के लिए जिम्मेदार थी।**
- इसकी **स्थापना 2016 में** राष्ट्रीयकृत बैंकों (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1980 के तहत की गई थी।
- प्रारंभ में, BBB ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए सीईओ और कार्यकारी निदेशकों के चयन पर ध्यान केंद्रित किया।
- इसके बाद BBB को बीमा कंपनियों के लिए प्रमुख चुनने की जिम्मेदारी भी दी गई।
- **PJ नायक समिति** द्वारा अनुशंसित PSBs में शासन सुधारों को लागू करने पर BBB काम कर रहा था।
- हालांकि, दिल्ली उच्च न्यायालय ने बीबीबी को अक्षम घोषित कर दिया और चयन प्रक्रिया के मुद्दों के कारण अपनी शक्तियों को कम कर दिया।
- परिणामस्वरूप, सरकार ने बीमा कंपनियों के प्रमुखों की भर्ती के लिए वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (FSIB) की स्थापना को मंजूरी दी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)

संदर्भ: सरकार ने 2023 खरीफ फसलों के लिए MSPमें बढ़ोतरी के साथ अधिसूचित किया है।

- **खरीफ फसलों में धान के लिए** न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 2,183 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, जो पिछले साल से 143 रुपये अधिक है।
- **प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA)** की बैठक में **17 खरीफ फसलों और वेरिएंट** के लिए MSPको मंजूरी दी गई।
- मूंग और अरहर सहित प्रमुख दालों के लिए नए MSP निर्धारित किए गए हैं। मूंग का MSP 8,558 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि अरहर का MSP 7,000 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।
- MSP का लक्ष्य **उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत का कम से कम डेढ़ गुना होना है।**
- बाजरा में किसानों के लिए उच्चतम मार्जिन (उत्पादन की लागत से 82%) होने की उम्मीद है, इसके बाद तूर (58%), सोयाबीन (52%), और उड़द (51%) का स्थान आता है ।

MSP कैसे तय होता है?

MSP की घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की जाती है और इस तरह, यह सरकार का निर्णय है। लेकिन सरकार अपने फैसले को काफी हद तक **कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों पर आधारित करती है।**

MSP की सिफारिश करते समय, सीएसीपी निम्नलिखित कारकों को देखता है:

- किसी वस्तु की मांग और आपूर्ति;
- इसकी उत्पादन लागत;
- बाजार मूल्य रुझान (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों);
- अंतर-फसल मूल्य समता;
- कृषि और गैर-कृषि के बीच व्यापार की शर्तें (यानी, कृषि आदानों और कृषि उत्पादों की कीमतों का अनुपात);
- उत्पादन लागत पर मार्जिन के रूप में न्यूनतम 50 प्रतिशत; और
- उस उत्पाद के उपभोक्ताओं पर MSP के संभावित प्रभाव।

MSP के लिए लागत अवधारणाएं

- **लागत A2** - ये वे लागतें हैं जो किसान वास्तव में अपनी जेब से बीज से लेकर उर्वरक, कीटनाशक, भाड़े के मजदूर से लेकर भाड़े की मशीनरी या यहां तक कि लीज पर ली गई जमीन खरीदने के लिए भुगतान करता है।
- **लागत A2+FL** - कृषि में, किसान भी बहुत अधिक पारिवारिक श्रम का उपयोग करते हैं और यदि उनकी लागत को लगाया जाता है और लागत A2 में जोड़ा जाता है, तो उस अवधारणा को लागत A2+FL कहा जाता है।
- **लागत C2** - व्यापक लागत (लागत C2), इसमें पारिवारिक श्रम की अनुमानित लागत, स्वामित्व वाली भूमि का अनुमानित किराया और स्वामित्व वाली पूंजी पर लगाया गया ब्याज शामिल है।
- **एम.एस. स्वामीनाथन द्वारा किसानों के मुद्दे पर राष्ट्रीय आयोग ने C2 पर 50 प्रतिशत अधिकता की सिफारिश की, जो कि किसानों की मांग भी रही है।**

ओपेक+ (OPEC+) 2024 में कच्चे तेल के उत्पादन में और कटौती करेगा

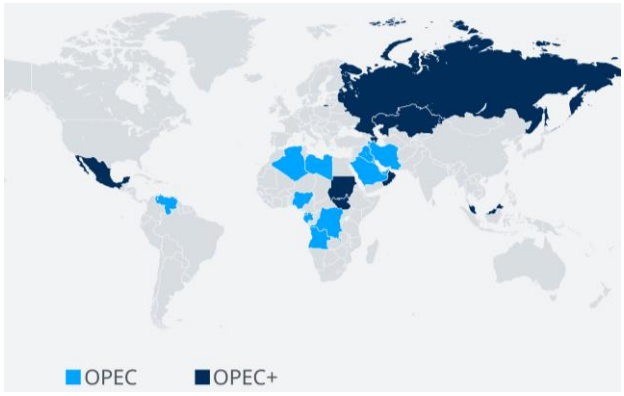

संदर्भ: ओपेक+ (पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन और 10 गैर-ओपेक देशों) ने 2024 के लिए कच्चे तेल के उत्पादन में और कटौती की घोषणा की।

- समूह 40.46 मिलियन BPD के संयुक्त उत्पादन के लिए प्रति दिन 1.4 मिलियन बैरल प्रति दिन (BPD) द्वारा कुल उत्पादन लक्ष्य को कम करेगा।
- ओपेक का सबसे बड़ा उत्पादक सऊदी अरब उत्पादन में कटौती का नेतृत्व करेगा।
- कमजोर वैश्विक विकास के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है, वर्तमान में कीमतें एक साल पहले के 120 डॉलर प्रति बैरल की तुलना में लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल हैं।
- आईएमएफ को उम्मीद है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मामूली रूप से बढ़ेंगी, जिससे तेल की मांग प्रभावित होगी।
- **तेल की कम कीमतों से भारत को लाभ होता है, जो अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 80% से अधिक आयात करता है।**
- **रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात ने बाजार की तुलना में कम कीमतों पर स्थिति को जटिल बना दिया है।**
- वैश्विक मूल्य में गिरावट के बावजूद, भारतीय उपभोक्ताओं ने कीमतों में गिरावट का अनुभव नहीं किया है, जिससे घरेलू मांग प्रभावित हुई है।
- घरेलू पंपों पर वैश्विक कीमतों के रुझान को दर्शाने से भारत की आर्थिक सुधार में मदद मिल सकती है।

भारत के तेल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता:

- रूस
- इराक
- सऊदी अरब
- संयुक्त अरब अमीरात
- संयुक्त राज्य अमेरीका
- कुवैट

ओपेक (OPEC)क्या है?

- **1960 में बगदाद सम्मेलन में स्थापित** एक स्थायी अंतर सरकारी संगठन है ।
- इसका उद्देश्य **तेल आपूर्ति का प्रबंधन करना और** वैश्विक बाजार में कीमतों को स्थिर करना है।
- ओपेक की **स्थापना ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने की थी।**
- संगठन का **मुख्यालय वियना** , ऑस्ट्रिया में स्थित है।
- संगठन के आदर्शों को साझा करने वाले **महत्वपूर्ण तेल-निर्यातक देशों के लिए सदस्यता खुली है ।**
- 2023 तक, ओपेक में ईरान, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अल्जीरिया, लीबिया, नाइजीरिया, गैबॉन, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो गणराज्य, अंगोला और वेनेजुएला सहित **14 सदस्यीय देश हैं।**

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 June, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

संदर्भ: हाल ही में, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में कार्यरत तीन महावतों को ताजे पानी के कछुए की एक दुर्लभ प्रजाति को पकड़ने और खाने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान:

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, भारत के असम राज्य में स्थित है। यह अपनी असाधारण जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह भारतीय एक सींग वाले गैंडों की दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ-साथ बाघों, हाथियों, जंगली जल भैंस, कछुए और दलदली हिरणों की महत्वपूर्ण आबादी का घर है।

यूनेस्को वैश्विक धरोहर स्थल:

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को **1985** से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

संरक्षण की चुनौतियाँ:

पार्क को विभिन्न संरक्षण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें अवैध शिकार, अतिक्रमण, निवास स्थान का क्षरण और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ शामिल हैं।

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972:

वर्ष **1972** का वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम भारत सरकार द्वारा देश में वन्यजीवों और उनके आवासों के लिए कानूनी सुरक्षा और संरक्षण उपाय प्रदान करने के लिए बनाया गया एक व्यापक कानून है। इस अधिनियम ने वर्ष **1952** के पहले के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम को बदल दिया, जो मुख्य रूप से खेल जानवरों पर केंद्रित था।

एक जिला दो उत्पाद (ODTP)

संदर्भ: उत्तराखंड सरकार द्वारा अक्टूबर **2021** में शुरू की गई एक जिला दो उत्पाद (**ODTP**) योजना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और उत्पन्न करने का प्रयास करती है।

एक जिला दो उत्पाद योजना:

योजना के तहत, प्रत्येक जिले के लिए विशिष्ट उत्पादों की पहचान की जाती है और उन्हें विकसित किया जाता है। इसमें मिठाइयाँ, नमकीन, हर्बल उत्पाद, हस्तशिल्प, पीतल के शिल्प, ऊनी, पके हुए सामान, मशरूम, मोमबत्तियाँ, शहद उत्पाद, राजमा, मंदिर की कलाकृतियाँ और बहुत कुछ शामिल हैं।

उद्देश्य:

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर, एक जिला दो उत्पाद योजना का उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करना, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना और उत्तराखंड के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना है।

रोजगार के अवसर:

ODTP योजना का उद्देश्य स्थानीय किसानों, कारीगरों, शिल्पकारों और इन स्थानीय उत्पादों के उत्पादन और प्रचार में शामिल अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और सतत आर्थिक विकास की दृष्टि का समर्थन करता है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रचार:

यह योजना न केवल घरेलू प्रचार पर केंद्रित है बल्कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करना और बढ़ावा देना भी है। इससे निर्यात के अवसर बढ़ सकते हैं और उत्तराखंड के आर्थिक विकास में और योगदान कर सकते हैं।

एकल परमाणु का एक्सरे

संदर्भ: हाल ही में, वैज्ञानिकों ने सिंगल/एकल परमाणु की जांच करने के लिए एक्स-रे का उपयोग करके एक तत्व की सफलतापूर्वक पहचान की है।

क्स-रे तकनीक क्या है?

एक्स-रे तकनीक इमेजिंग, डायग्नोस्टिक्स और अनुसंधान में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए एक्स-रे, विद्युत चुम्बकीय विकिरण के एक रूप के उपयोग को संदर्भित करती है। एक्स-रे की खोज वर्ष 1895 में विल्हेम कॉनराड रोएंटजेन द्वारा की गई थी और तब से चिकित्सा, औद्योगिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जाने लगी।

एक्स-रे तकनीक में उन्नति:

वैज्ञानिकों ने पिछले कुछ वर्षों में एक्स-रे तकनीक में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे छोटे नमूना आकार वाली सामग्रियों की अधिक सटीक पहचान की अनुमति मिलती है।

अनुसंधान में क्रांतिकारी बदलाव की संभावना:

सिंगल/एकल परमाणु परमाणु का उपयोग करके किसी सामग्री की पहचान करने की क्षमता में सामग्री विज्ञान और क्वांटम यांत्रिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान में क्रांति लाने की क्षमता है। यह परमाणु गुणों के अध्ययन और परमाणुओं में हेरफेर करने की नई संभावनाओं को खोलता है

होमोनलेदी

संदर्भ: हाल ही में, पुरामानवविज्ञानियों ने एक विलुप्त मानव प्रजाति होमो नलेदी से संबंधित महत्वपूर्ण खोज की है।

होमोनलेदी क्या है?

होमोनलेदी विलुप्त होमिनिन की एक पूर्व अज्ञात प्रजाति है, जो मानव विकासवादी पेड़ की एक अलग शाखा का प्रतिनिधित्व करती है। इसकी खोज ने मानव पूर्वजों और उनकी विविधता के बारे में आधुनिक समझ का विस्तार किया है।

खोज और उत्खनन:

ली बर्जर के नेतृत्व में वर्ष **2013** में एक अभियान के दौरान होमो नलेदी के जीवाश्म पहली बार दक्षिण अफ्रीका में राइजिंग स्टार गुफा प्रणाली के डिनालेदी चैंबर में पाए गए थे।

आयु और निवास स्थान:

होमो नलेदी लगभग **335,000** से **236,000** साल पहले रहते थे, जो अब दक्षिण अफ्रीका में है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com